शब्दबाणों का प्रहार

राष्ट्रबाण

सिवनी

संपादकः संजय बघेल

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

शुक्रवार 13 जून 2025 • वर्ष : 10 • अंक : 76 • पृष्ठ : 08 • मूल्य : 5.00 रुपए

www.facebook.com/rashtrabaan www.twitter.com/rashtrabaan

सड़कों पर लाशें बिखरीं

गुजरात के अहमदाबाद में गुरुवार दोपहर एअर इंडिया का एक प्लेन क्रैश हो गया। इसमें सभी 242 यात्रियों की मौत हो गई। धमाका इतना खौफनाक था कि आसपास की सड़कों पर लाशें बिखरी दिखीं। जले शवों को पहचानना तक मुश्किल हो रहा है। कुछ लोग सड़क पर पड़े एक महिला के कटे सिर का वीडियो बनाते दिखे।

बख्शी परिवार की ये दोनों बेटियां अपनी नानी का बर्थडे सेलिब्रेट करने अहमदाबाद आई थीं।

पिता के साथ बेटी की आखिरी फोटो। पिता लंदन में पढ़ाई कर रही बेटी को प्लेन में बिठाकर लौटे ही थे कि हादसा हो गया।

गांधीनगर में रहने वाले कुबेरभाई खेमचंदभाई पटेल पत्नी बबीबेन केसाथ लंदन जा रहे थे।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश

हादसे में 240 यात्रियों की मौत

एअर इंडिया की फ्लाइट लंदन जा रही थी, 2 ब्रिटिश यात्री जिंदा बचे ; पूर्व सीएम रूपाणी का भी निधन

अहमदाबाद। राष्ट्रबाण

अहमदाबाद में गुरुवार दोपहर एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश हुआ है। इसमें सवार सभी 242 लोगों की मौत हो गई है। न्यूज एजेंसी ने गुजरात पुलिस कमिश्नर के हवाले से यह जानकारी दी। एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई-171 अहमदाबाद से लंदन जा रही थी। इसमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत कुल 230 यात्री सवार थे। बाकी 12 क्रू मेंबर्स थे।

हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का भी निधन हो गया है। भाजपा के राज्यसभा सांसद परिमल नाथवानी ने एक्स पर यह जानकारी दी। हालांकि कुछ देर बाद उन्होंने अपनी पोस्ट डिलीट कर दी। प्लेन जिस बिल्डिंग से टकराया, वहां अहमदाबाद के सिविल हॉस्पिटल के डॉक्टर्स रहते हैं। जानकारी के मुताबिक हादसे के समय इमारत में 50 से 60 डॉक्टर मौजूद थे, इनमें 15 से ज्यादा घायल हो गए हैं।

हादसे की जगह से मिले ज्यादातर शव इतनी बुरी तरह झुलस चुके हैं कि उनकी पहचान करने में बेहद मुश्किल आ रही है। उनकी पहचान डीएनए टेस्ट के बाद ही संभव होगी। एयर इंडिया की फ्लाइट नंबर एआई-171 ने दोपहर 1:38 बजे उड़ान भरी थी। दोपहर 1:40 बजे यह क्रैश हो गई। जानकारी के मुताबिक विमान एयरपोर्ट की दीवार और एयर कस्टम कार्गो ऑफिस के पास क्रैश हुआ। विमान के गिरते ही पूरे इलाके में धुएं का गुबार दिखाई दिया।

बहुत से लोगों को खो दिया...

अहमदाबाद में हुए विमान हादसे में देश भर के लोगों को हिला कर रख दिया है। इस हादसे पर विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मीडिया से बात करते हुए कहा, अहमदाबाद में जो भी हुआ है वह बहुत ही ज्यादा दुखद दुर्घटना है। हमने बहुत से लोगों को खो दिया। हम उन सभी लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। इनमें से कई विदेशी भी हैं। इससे संबंधित विभाग लगातार इस विषय में जानकारी उपलब्ध कराएंगे।

इससे पहले विमान हादसे को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी दुख जताया। उन्होंने इस दुर्घटना को शब्दों से परे और दिल को दहलाने वाला बताया। सोशल मीडिया साइट एक्स पर अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए पीएम ने लिखा, अहमदाबाद में हुई त्रासदी ने हमें स्तब्ध और दुखी कर दिया है। यह शब्दों से परे दिल दहला देने वाली घटना है। इस दुखद घड़ी में, मेरी संवेदनाएं इस दुर्घटना से प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं। मैं मंत्रियों और अधिकारियों के संपर्क में हूं, जो प्रभावित लोगों की सहायता के लिए काम कर रहे हैं।

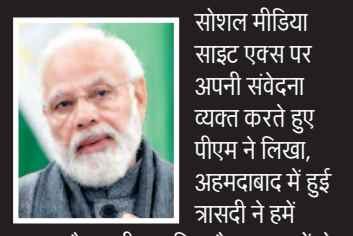

3 दिन पहले लुधियाना से लौटे थे विजय रूपाणी

गुजरात के अहमदाबाद में एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश हो गया। इसमें पंजाब बीजेपी के प्रभारी एवं गुजरात के पूर्व ष्टरूविजय रूपाणी का निधन हो गया। वह 3 साल से पंजाब और चंडीगढ़ बीजेपी के प्रभारी थे। उन्होंने 3 दिन पहले लुधियाना में वेस्ट हलका के उपचुनाव में पार्टी उम्मीदवार जीवन गुप्ता के लिए प्रचार किया था। इससे पहले 3 जून को पार्टी उम्मीदवार जीवन गुप्ता का नामांकन भरवाया था। वह 9 जून को लुधियाना से गुजरात के लिए रवाना हुए थे। भाजपा के नेता उन्हें एयरपोर्ट तक छोड़ने आए थे।

पायलट के पास 8200 घंटे का एक्सपीरियंस था

फ्लाइटरडार24 के मुताबिक, विमान का आखिरी सिग्नल 190 मीटर (625 फीट) की ऊंचाई पर मिला, जो उड़ान भरने के तुरंत बाद था। भारत के सिविल एविएशन रेगुलेटर डीजीसीए ने बताया कि विमान ने दोपहर 1:39 बजे रनवे 23 से उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के बाद विमान ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को मेडे कॉल (इमरजेंसी मैसेज) भेजा, लेकिन इसके बाद कोई जवाब नहीं मिला। डीजीसीए के अनुसार, विमान में दो पायलट और 10 केबिन क्रू सहित कुल 242 लोग सवार थे। पायलट के पास 8,200 घंटे और को-पायलट के पास 1,100 घंटे का उड़ान अनुभव था।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश- 61 विदेशी यात्रियों की मौत

अहमदाबाद में एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश हो गया। इस प्लेन में 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत 242 पैसेंजर सवार थे। न्यूज एजेंसी के मुताबिक हादसे में सभी लोगों के मारे गए हैं। एअर इंडिया की फ्लाइट नंबर एआई-171 ने दोपहर 1:38 बजे अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। दोपहर 1:40 बजे यह प्लेन क्रैश हो गया। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने इस हादसे पर दुख जताया है। कीर स्टार्मर ने संसद में कहा- कई ब्रिटिश नागरिकों को लेकर लंदन आ रहे प्लेन के अहमदाबाद में क्रैश होने के कई विजुअल बहुत भयानक हैं। मुझे हर अपडेट के बारे में जानकारी दी जा रही है। मेरी संवेदनाएं पीड़ितों के साथ है। वहीं, ब्रिटिश सांसद लूसी पॉवेल ने संसद में कहा कि ब्रिटिश सरकार एअर इंडिया विमान में सवार लोगों को हर संभव मदद मुहैया कराएगी। कई परिवार हैं, जो अपने लोगों के आने का इंतजार कर रहे हैं। यह बहुत चिंता की बात है। हम उन सभी परिवारों के लिए अपनी गहरी संवेदना जताते हैं।

अहमदाबाद में प्लेन डॉक्टर हॉस्टल की 4 बिल्डिंग से टकराया

अहमदाबाद में एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन सिविल हॉस्पिटल के हॉस्टल की 4 बिल्डिंग से टकराया था। जिनमें रेजिडेंट डॉक्टर रहते थे। घटना के दौरान हॉस्टल में 50 से 60 इंटर्न डॉक्टर्स मौजूद थे। ज्यादातर मेस में लंच कर रहे थे। धमाके का असर इतना ज्यादा था कि अंदर मौजूद डॉक्टरों के शव भी टुकड़ों में बिखर गए। यहां से छह शव निकाले जा चुके हैं। विमान में आग लगने से उठे धुएं से हॉस्टल की बिल्डिंग पूरी तरह काली पड़ गई है। हर तरफ सिर्फ मलबा पड़ा है। हॉस्टल खंडहर जैसा हो गया है। करीब 50 डॉक्टर्स घायल हुए हैं। इन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गुजरात के सिविल अस्पताल में 50 लोग लाए गए

गुजरात स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा- अहमदाबाद सिविल अस्पताल के छात्र छात्रावास, स्टाफ क्वार्टर और अन्य आवासीय क्षेत्र उस क्षेत्र में स्थित हैं जहां विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। लगभग 50 घायलों को अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में लाया गया है।

दुर्घटनाग्रस्त प्लेन में महाराष्ट्र के 7 लोग सवार थे

अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त विमान में महाराष्ट्र के 7 लोग महाराष्ट्र थे। इनमें 4 केबिन क्रू और 3 पैसेंजर्स थे। इनके नाम अपर्णा महादिक, महादेव पवार, आशा पवार, मयूर पाटिल, मैथिली पाटिल, दीपक पाठक और शनी सोंघरे हैं। अपर्णा महादिक सांसद सुनील तटकरे के भतीजे अमोल की पत्नी हैं।

विमान में सवार यात्री ने गड़बड़ी का वीडियो बनाया था

एअर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन में सवार एक यात्री आकाश वत्स ने कहा- मैंने इसी विमान में कुछ गड़बड़ियां देखी थीं। सीट का टच स्क्रीन नहीं चल रहा था, बटन खराब थे। मैं यह वीडियो एअर इंडिया को भेजना चाहता था। मैं और ज्यादा जानकारी देना चाहता था। कृपया मुझसे संपर्क करें।

पहली बार क्रैश हुआ बोइंग 787 प्लेन

बीबीसी के मुताबिक यह पहली बार है जब कोई बोइंग 787 विमान क्रैश हुआ है। इसे ड्रीमलाइनर के नाम से भी जाना जाता है। बोइंग ने इस मॉडल को 14 साल पहले लॉन्च किया गया था। बोइंग ने अप्रैल में ऐलान किया था कि ड्रीमलाइनर पर 100 करोड़ लोग यात्रा कर चुके हैं। इस दौरान बोइंग 787 ने 50 लाख उड़ानें भरी हैं।

मुनीर को न्योता दिया, पाकिस्तान की तारीफ की ; पीएम सर्वदलीय बैठक बुलाएं

कांग्रेस बोली- भारत को अमेरिका से 3 बड़े झटके लगे

नई दिल्ली। एजेंसी

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने गुरुवार को कहा- बुधवार को एक ही दिन में भारत की कूटनीति (डिप्लोमेसी) को अमेरिका से तीन बड़े झटके लगे हैं। इनसे भारत की विदेश नीति और भारत-अमेरिका संबंधों पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। जयराम ने कहा- अमेरिका की सेंट्रल कमांड चीफ जनरल माइकल कुरिल्ला ने पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ साझेदार बताया। पाक आर्मी चीफ आसिम मुनीर को अमेरिकी आर्मी डे के लिए न्योता दिया है। वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने फिर से कहा कि भारत-पाक तनाव ट्रम्प ने खत्म करवाया। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि ये हमारी कूटनीति के लिए बड़े झटके हैं। साथ ही चेतावनी और चुनौती भी हैं। प्रधानमंत्री जो सर्वशक्तिमान और सर्वव्यापी हैं, उन्हें अब सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए।

जयराम रमेश ने गिनाए 3 झटके

पहला झटका : पाकिस्तान को आतंकवाद विरोधी साझेदार बताया जयराम रमेश कहा- अमेरिका के सेंट्रल कमांड चीफ जनरल माइकल कुरिल्ला ने हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी के सामने पाकिस्तान को एक शानदार आतंकवाद विरोधी साझेदार बताया। क्या यही पाकिस्तान है जहां ओसामा बिन लादेन 10 साल छिपा रहा और 2011 में मारा गया। वही पाकिस्तान अब अमेरिका के लिए आतंकवाद विरोधी साझेदार बन गया।

दूसरा झटका : पाक आर्मी चीफ मुनीर को अमेरिका आने का न्योता जयराम रमेश ने कहा- अमेरिका ने पाकिस्तान आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर को 14 जून को अमेरिका सेना की 250वीं वर्षगांठ पर आयोजित परेड में भाग लेने के लिए न्योता भेजा है। यह वही आसिम मुनीर है जिसने पहलगाम आतंकी हमले से ठीक पहले भड़काऊ और उकसावे बयान दिए थे। उनके बयानों से ही आतंकियों को बल मिला।

तीसरा झटका : भारत-पाक तनाव खत्म करने पर ट्रम्प की भूमिका दोहराई जयराम रमेश ने कहा- अमेरिकी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने दोबारा कहा कि भारत-पाक तनाव को कम करने में डोनाल्ड ट्रम्प और विदेश मंत्री मार्को रुबियो की भूमिका रही है।

देश में कोरोना के एक्टिव केस 7154 पार

एक हफ्ते में 30 लोगों की जान गई ; गुजरात में सर्दी-खांसी होने पर क्वारंटीन होने की सलाह

नई दिल्ली। एजेंसी

देश में कोरोना वायरस का नया वैरिएंट तेजी से फैल रहा है। 30 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में एक्टिव केसों की संख्या 7154 पहुंच गई है। एक हफ्ते से औसतन हर दिन 400 नए केस सामने आए। हालांकि, बुधवार को केवल 33 केस दर्ज हुए हैं। केरल में सबसे ज्यादा 2165 मामले हैं।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, बीते एक हफ्ते में कोरोना से 30 लोगों की जान गई है। नए वैरिएंट से अब तक 77 मौतें हुई हैं। बुधवार को 3 लोगों ने जान गंवाई। महाराष्ट्र में 2, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल में 1-1 मरीज की मौत हुई है। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 21 मौतें हुई हैं। गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री रुशिकेश पटेल ने बुधवार को कहा कि सर्दी-खांसी और गले में दर्द होने पर खुद को क्वारंटीन कर लेना चाहिए। सार्वजनिक स्थानों पर जाने से बचें। राज्य में बढ़ते मामलों के बीच राज्य सरकार केंद्र से संपर्क में है।

पीएम मोदी से मिलने के लिए कोविड टेस्ट अनिवार्य देश में कोरोनावायरस के केसों और मौतों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इसी को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने वाले सभी मंत्रियों के लिए आरटीपीसीआर टेस्ट कराना अनिवार्य कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में सरकारी सूत्रों के हवाले से यह जानकारी सामने आई है।

संपादकीय

गलत राह पर पाक

लोन और आर्थिक मदद की वजह से ही पाकिस्तान अभी तक दिवालिया होने से बचा हुआ है, लेकिन इसकी वजह से उस पर 269 बिलियन डॉलर का कर्ज चढ़ चुका है, जबकि उसके मौजूदा बजट का आकार है केवल 63 बिलियन डॉलर।

पाकिस्तान ने अपने रक्षा बजट में 20प्रतिशत का इजाफा किया है। इससे उसकी प्राथमिकता साफ हो जाती है कि उसके लिए अपनी जनता का कल्याण और विकास नहीं, भारत के खिलाफ आक्रामकता ज्यादा जरूरी है। यह बात और है कि बजट का 14.5प्रतिशत सिर्फ डिफेंस पर खर्च करके वह अपनी मुश्किलें ही बढ़ाएगा।

कर्ज पर गुजारा: लोन और आर्थिक मदद की वजह से ही पाकिस्तान अभी तक दिवालिया होने से बचा हुआ है, लेकिन इसकी वजह से उस पर 269 बिलियन डॉलर का कर्ज चढ़ चुका है, जबकि उसके मौजूदा बजट का आकार है केवल 63 बिलियन डॉलर। एक लोन चुकाने के लिए दूसरा लोन लेने की आदत ने पाकिस्तान को ऐसे दुष्चक्र में फंसा दिया है, जहां अब उसे अपने बजट का करीब आधा हिस्सा कर्ज की किस्तों और ब्याज भरने के लिए देना पड़ेगा। अब जो रकम बचती है, उसमें से भी लगभग एक तिहाई, 9.17 बिलियन डॉलर उसने डिफेंस के लिए रख लिया है।

भारत से तुलना: इस्लामाबाद में नई दिल्ली के साथ होड़ करने की बेचैनी और उतावलापन है। लेकिन सच यही है कि इतने भारी खर्च के बावजूद भारत के 77 बिलियन डॉलर के डिफेंस बजट के सामने पाकिस्तान का रक्षा बजट बहुत मामूली है। हां, यह जरूर है कि यह होड़ उसे कर्ज, खासकर चीन के कर्ज के जाल में और फंसा रही है। पाकिस्तान पर सबसे बड़ी देनदारी चीन की है, लगभग 15 बिलियन डॉलर।

चीन का फायदा: पाकिस्तान अपने लगभग 80 प्रतिशत सैन्य साजो-सामान और हथियार चीन से खरीदता है। चीन जे-35 स्टेल्थ फाइटर जेट भी पाकिस्तान को देने जा रहा है। यानी उसके सैन्य बजट का एक बड़ा भाग चीन की जेब में जाएगा। यही नहीं, शहबाज शरीफ सरकार ने बजट में कर्ज अदायगी के लिए जो रकम रखी है, उससे भी सबसे बड़ा हिस्सा चीन को मिलेगा। विडंबना है कि भारत के साथ टकराव के दौरान पाकिस्तान को चीनी डिफेंस सिस्टम की वजह से ही नुकसान और शर्मिंदगी उठानी पड़ी थी।

आर्थिक मुश्किलें: पाकिस्तान को हथियार से ज्यादा रोजगार, निवेश और अन्न की जरूरत है। उसकी इकॉनमी एक अरसे से जड़ बनी हुई है। 2025 में जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 2.7 प्रतिशत है। आर्थिक मोर्चे पर उसकी सबसे बड़ी खुशी यह है कि आईएमएफ ने हाल में एक नए बेलआउट पैकेज को मंजूरी दे दी है। पाकिस्तान का बजट भारत की चिंताओं की पुष्टि करने के साथ आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक जैसी संस्थाओं को भी आईना दिखाता है। ये संस्थाएं बार-बार भरोसा टूटने के बावजूद पाकिस्तान के किसी नए वादे के झांसे में आकर मदद देती रहती हैं। क्या अब वे सबक लेंगी?

ऐसा बताया गया है कि नया नियम फिलहाल सभी नए एअर कंडीशनर पर लागू होगा। यानी आने वाले दिनों में बाजार में उपलब्ध एअर कंडीशनर में तापमान 20 डिग्री से नीचे और 28 डिग्री सेल्सियस से ऊपर नहीं रखा जा सकेगा।

एअर कंडीशनर का नया नियम – न बहुत ठंडा, न बहुत गर्म, तय होगी तापमान की सीमा

अपने घर या कार्यालय को मनमर्जी के मुताबिक वातानुकूलित करने की प्रवृति अब लोगों को बदलनी होगी। क्योंकि, आने वाले दिनों में एसी (एअर कंडीशनर) की हवा को ज्यादा ठंडा करने का विकल्प ही मौजूद नहीं होगा। ऐसा इसलिए, क्योंकि केंद्र सरकार एअर कंडीशनर के तापमान का मानकीकरण करने वाली है। नए नियमों के तहत इसके तापमान को न्यूनतम 20 डिग्री और अधिकतम 28 डिग्री सेल्सियस के दायरे में ही रखा जाएगा।

इससे न केवल बिजली की बचत होगी, बल्कि कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आएगी, जो पर्यावरण संरक्षण के लिए बेहद जरूरी है। कई देशों में इस तरह के नियम पहले से लागू हैं। भारत में भी इसको लेकर काफी पहले से विचार किया जा रहा था, लेकिन कुछ तकनीकी पहलू और सरकारी स्तर पर इच्छाशक्ति का अभाव इसमें रोड़ा बना हुआ था, पर अब सरकार ने इस दिशा में पहल करते हुए नए नियमों के मसविदे को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है।

वातानुकूलन के लिए तापमान का मानकीकरण भी जरूरी

देश में वातानुकूलन के लिए तापमान का मानकीकरण इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि गर्मियों के दिनों में बिजली की मांग चरम पर

पहुंच जाती है। इसमें सबसे ज्यादा योगदान एअरकंडीशनर और हवा को ठंडा करने वाले अन्य उपकरणों का होता है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर वातानुकूलन के समय तापमान तय सीमा में रखा जाए तो देशभर में सालाना हजारों करोड़ यूनिट बिजली की बचत हो सकती है। इससे कोयला आधारित ऊर्जा संयंत्रों पर भी दबाव कम होगा और कार्बन उत्सर्जन में भी खासी कमी आएगी।

भारत के शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में भी यह पहल महत्त्वपूर्ण साबित हो सकती है। वैसे भी अंतरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाना जरूरी हो गया था। जापान, इटली, स्पेन और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में एअर कंडीशनर के तापमान को लेकर पहले से ही सख्त नियम लागू हैं। जापान में तापमान की सीमा 26 डिग्री, जबकि इटली और स्पेन में 23 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रखी गई है।

ऐसा बताया गया है कि नया नियम फिलहाल सभी नए एअर कंडीशनर पर लागू होगा। यानी आने वाले दिनों में बाजार में उपलब्ध एअर कंडीशनर में तापमान 20 डिग्री से नीचे और 28 डिग्री सेल्सियस से ऊपर नहीं रखा जा सकेगा। इसका एक फायदा यह भी होगा कि बिजली की खपत कम होने से बिल की राशि भी कम होगी। यानी समाज के मध्यम वर्ग के लिए सरकार का यह कदम राहत भरा होगा। घरों के अलावा सार्वजनिक भवनों, होटलों, माल, कार्यालयों, विपणन केंद्रों और कारों में लगे वातानुकूलन उपकरणों पर भी ये नियम लागू होंगे।

हालांकि, घरों में लगे पुराने एअरकंडीशनर को लेकर सरकार की ओर से अभी स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है। दूसरे पहलू से देखा जाए तो कमरे में बहुत कम तापमान रखना स्वास्थ्य के लिए भी नुकसानदेह है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि 20 डिग्री सेल्सियस से कम तापमान पर रहने से सांस संबंधी समस्याएं, सर्दी-खांसी, जोड़ों में दर्द और त्वचा संबंधी दिक्कतें बढ़ जाती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का भी मानना है कि बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों के लिए 24-26 डिग्री का तापमान आदर्श होता है।

शिक्षा के नाम पर लूट बंद होगी, दिल्ली में स्कूल फीस पर कानून का शिकंजा

दिल्ली के निजी विद्यालयों में मनमाने तरीके से शुल्क बढ़ाए जाने पर सवाल उठते रहे हैं। अभी हाल ही में द्वारका में कई अभिभावकों ने सरकार की अनुमति के बिना एक विद्यालय पर शुल्क बढ़ोतरी का आरोप लगाया था। साथ ही दावा किया था कि बच्चों और उनके माता-पिता पर दबाव बनाने के लिए कुछ स्कूलों में अतिरिक्त कर्मी तैनात किए जाते हैं।

निजी विद्यालयों की निरंकुशता का मुद्दा अदालतों में भी उठता रहा है। ऐसा भी नहीं कि शिक्षा निदेशालय को वस्तुस्थिति मालूम न हो। सवाल यह है कि निजी विद्यालयों को मनमानी करने की छूट किसने दी?

कौन लोग हैं जो इन्हें अब तक शह देते रहे हैं? लगातार शिकायतें मिलने पर दिल्ली सरकार ने हाल ही में विधानसभा में दिल्ली स्कूल शिक्षा (पारदर्शिता निर्धारण और शुल्क विनियमन-2025) विधेयक पारित करने का निर्णय किया था, मगर किन्हीं कारणों से यह पेश नहीं किया जा सका था।

सरकार निजी विद्यालयों को अब जवाबदेह बनाना चाहती है

अब इस विधेयक को अध्यादेश के जरिए लागू करने का दिल्ली मंत्रिमंडल का फैसला एक महत्त्वपूर्ण कदम है। इससे शुल्क प्रणाली में पारदर्शिता आएगी और अभिभावकों को भी बड़ी राहत मिलेगी। निजी विद्यालयों को अब जवाबदेह बनना होगा। वे अभिभावकों पर मनमाने तरीके से आर्थिक बोझ नहीं डाल सकेंगे। हैरत की बात तो यह है कि निजी विद्यालयों में शिक्षा शुल्क के अतिरिक्त अन्य मदों में राशि जोड़कर कई वर्षों से वसूली की जाती रही है। विकास शुल्क के नाम पर अभिभावकों पर दबाव बनाया जाता है। मगर, अब इस पर रोक लग सकेगी। गौरतलब है कि इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने मनमाना शुल्क बढ़ाने पर निजी विद्यालयों और दिल्ली शिक्षा निदेशालय को नोटिस जारी किए थे। इसमें दोराय नहीं कि बार-बार शुल्क बढ़ाए जाने से गरीब और मध्यवर्गीय परिवारों पर नाहक ही आर्थिक बोझ पड़ता है।

व्यापार

एयर इंडिया फ्लाइट क्रैश; एविएशन शेयरों में हाहाकार, इंडिगो से लेकर स्पाइसजेट समेत के स्टॉक धड़ाम

सरदार वल्लभभाई पटेल अहमदाबाद हवाई अड्डे पर एयर इंडिया के विमान के उड़ान भरने के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो जाने की दुखद घटना की खबर और बाजार में मंदी के बीच गुरुवार को एविएशन कंपनी के शेयरों में भारी गिरावट देखी गई।

सरदार वल्लभभाई पटेल अहमदाबाद हवाई अड्डे पर एयर इंडिया के विमान के उड़ान भरने के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो जाने की दुखद घटना की खबर और बाजार में मंदी के बीच गुरुवार को एविएशन कंपनी के शेयरों में भारी गिरावट देखी गई। बजट एयरलाइन्स इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो) और स्पाइसजेट के शेयरों में 3.4प्रतिशत तक की गिरावट आई। इंडिगो के शेयर आज इंट्राडे में 3.4 प्रतिशत गिरकर एनएसई पर 5,437.50 रुपये के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गए, जबकि स्पाइसजेट के शेयर 2.6प्रतिशत गिरकर 44.30 पर आ गए।

अन्य एविएशन शेयरों में भी गिरावट: ताल एंटरप्राइजेज लिमिटेड के शेयर में आज 4प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई और यह शेयर 3,566.60 रुपये पर आ गया था। तनेजा एयरोस्पेस एंड एविएशन लिमिटेड के शेयरों में 2प्रतिशत तक गिरकर 374.40 रुपये पर आ गए। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के शेयर 2प्रतिशत तक टूट गए। एएफसीओएम होल्डिंग्स लिमिटेड के शेयर 1प्रतिशत तक टूट गए। यूनीमेक एयरोस्पेस एंड मैन्युफैक्चरिंग लिमिटेड के शेयर में 4प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई।

इन शेयरों में भी भारी गिरावट

एविएशन सेक्टर के शेयरों के अलावा, 12 जून को होटल और ऑनलाइन फ्लाइट टिकट बुकिंग कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई। ऑनलाइन फ्लाइट बुकिंग सेवाएं देने वाली कंपनियों के शेयरों में भी भारी गिरावट देखी गई। इक्सिगो और थॉमस कुक इंडिया के शेयरों में लगभग 4 प्रतिशत की गिरावट आई और ये क्रमशः 181 रुपये और 163 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। टीबीओ टेक के शेयरों में 3 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई, जबकि महिंद्रा हॉलिडेज़ के शेयरों में 2.5 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई। ईज माई ट्रिप और यात्रा ऑनलाइन के शेयरों में मामूली गिरावट के साथ कारोबार हो रहा था। बता दें कि विमान दुर्घटना से हवाई यात्रा को लेकर आशंकाएं बढ़ सकती हैं, जिसकी वजह से शेयरों में गिरावट आ सकती है। होटल कंपनियों में भी भारी गिरावट आई, इंडियन होटल्स कंपनी (आईएचसीएल) के शेयरों में लगभग 3 प्रतिशत की गिरावट आई और ये 745 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। शैलेट होटल्स के शेयरों में लगभग 3 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि लेमन ट्री होटल्स के शेयरों में लगभग 2 प्रतिशत की गिरावट आई।

हम अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं

विमान क्रैश पर गौतम अडानी

उद्योगपति गौतम अडानी ने गुरुवार को अहमदाबाद हवाई अड्डे के निकट एयर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने पर दुख व्यक्त किया। एक्स पर अपने पोस्ट में अडानी ने कहा, ÷हम एयर इंडिया की फ्लाइट 171 की त्रासदी से स्तब्ध और बहुत दुखी हैं। हमारी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं, जिन्होंने अकल्पनीय क्षति झेली है। हम सभी अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और जमीन पर मौजूद परिवारों को पूरा समर्थन दे रहे हैं।÷ बता दें कि एयर इंडिया का विमान उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने पुष्टि की है कि विमान के एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क टूटने से ठीक पहले पायलट ने मेडे कॉल जारी किया था।

क्या है डिटेल

अडानी समूह ने आश्वासन दिया कि वह गुरुवार को अहमदाबाद में सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास 200 से अधिक यात्रियों को ले जा रहे एयर इंडिया के विमान-ढ्ढ171 के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद चल रहे बचाव और राहत कार्यों का समर्थन करने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों के साथ निकट समन्वय में काम कर रहा है। एयरपोर्ट के ऑपरेटर के तौर पर, अडानी ग्रुप की ग्राउंड टीमें घटनास्थल पर सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वालों में से थीं, जो एयरपोर्ट संचालन, आपातकालीन प्रतिक्रियाकर्ताओं और राष्ट्रीय आपदा टीमों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए काम कर रही थीं।

प्रभावित परिवारों के लिए आपातकालीन सहायता

लंबी दूरी की यात्रा के लिए भारी ईंधन से भरा विमान टक्कर के बाद आग की चपेट में आ गया, जिससे विस्फोट और भी तेज हो गया। गांधीनगर से 90 कर्मियों वाली तीन राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल टीमों सहित आपातकालीन सेवाओं को घटनास्थल पर भेजा गया। सहायता के लिए वडोदरा से अतिरिक्त टीमों को भी तैनात किया गया। हालांकि, हताहतों और नुकसान की पूरी सीमा का अभी भी आकलन किया जा रहा है, लेकिन अडानी समूह ने दोहराया कि प्रभावित लोगों की सहायता के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। समूह के प्रवक्ता ने कहा, ÷ऐसे समय में, हमारी प्राथमिकता परिवारों, अधिकारियों और बचाव दल के साथ खड़े होकर हर संभव मदद प्रदान करना है। दुर्घटना का सटीक कारण अधिकारियों द्वारा जांच के अधीन है और अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है, साथ ही हताहतों और बचाए गए लोगों की संख्या भी।

एयर इंडिया ने क्या कहा

एयर इंडिया के अध्यक्ष एन. चंद्रशेखरन अहमदाबाद से लंदन जा रहे एयर इंडिया की उडान संख्या ए-171 के दुर्घटनाग्रस्त होने की पुष्टि करते हुए इस पर गहरा शोक जताया और पीड़ित परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। चंद्रशेखरन एक बयान में कहा, ÷मैं बहुत दुःख के साथ इसकी पुष्टि करता हूँ कि अहमदाबाद से लंदन के गैटविक के लिए उड़ान भरने वाली एयर इंडिया की उड़ान संख्या ए-171 आज दुर्घटना का शिकार हो गयी। हमारी शोक संवेदनाएं इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना से प्रभावित सभी लोगों के परिजनों के साथ है। इस समय, हमारा ध्यान प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के लोगों को ढांढस बंधाने पर है।

आईपीओ लेकर आ रही यह कंपनी, 2.28 करोड़ शेयरों की बिक्री, सेबी की का इंतजार

आईपीओ मार्केट एक बार फिर गुलजार हो गया है। एक के बाद एक, कई कंपनियां आईपीओ के जरिए शेयर बाजार में लिस्टिंग की योजना बना रही हैं। इसी कड़ी में एमटीआर और ईस्टर्न ब्रांड के तहत अपने उत्पादों का डिस्ट्रिब्यूशन करने वाली ओर्कला इंडिया ने आईपीओ लॉन्च करने की योजना बनाई है। इसके तहत कंपनी 2.28 करोड़ शेयरों की बिक्री करेगी। बता दें कि कंपनी ने इसके लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल किया है।

2.28 करोड़ शेयरों की बिक्री: ओर्कला इंडिया द्वारा प्रस्तावित आईपीओ पूरी तरह से कंपनी के प्रमोटर, अन्य शेयरधारकों द्वारा 2.28 करोड़ शेयरों की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) है। ओएफएस के माध्यम से हिस्सेदारी बेचने वाले शेयरधारकों में ओर्कला एशिया पैसिफिक पीटीई, नवास मीरान और फिरोज मीरान शामिल हैं। ओर्कला आईपीओ में फ्रेश शेयर नहीं हैं तो ऐसे में कंपनी को फंड नहीं मिलेगा।

बता दें कि ओर्कला इंडिया के आईपीओ प्रस्ताव का 50प्रतिशत हिस्सा योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए, 15प्रतिशत गैर-संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) के लिए और 35प्रतिशत खुदरा बोलीदाताओं के लिए रिजर्व है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स इंडिया, जेपी मॉर्गन इंडिया और कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी इस इश्यू के बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं। आईपीओ के शेयरों को बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

मुकेश अंबानी की कंपनी ने बेचे पेंट कंपनी के 3.50 करोड़ शेयर, 7703 करोड़ रुपये की ब्लॉक डील

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने गुरुवार को एशियन पेंट्स के 3.5 करोड़ शेयर बेच दिए हैं। रिलायंस ने अपनी पूर्ण मालिकाना हक वाली इकाई सिद्धांत कमर्शियल्स लिमिटेड के जरिए शेयर बेचे हैं।

मुकेश अंबानी के मालिकाना हक वाली कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने घोषणा की है कि उसने गुरुवार 12 जून 2025 को एशियन पेंट्स लिमिटेड के 3,50,00,000 शेयर बेचे हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने पेंट कंपनी के ये शेयर अपने पूर्ण मालिकाना हक वाली इकाई सिद्धांत कमर्शियल्स लिमिटेड के जरिए बेचे हैं। ब्लॉक डील में 2201 रुपये प्रति शेयर के दाम पर ये शेयर बेचे गए हैं। इस ट्रांजैक्शन की वैल्यू 7703.05 करोड़ रुपये है। एशियन पेंट्स के शेयर गुरुवार को बीएसई में 2218.05 रुपये पर बंद हुए हैं।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के पास अब भी 87 लाख शेयर

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया है कि इस शेयर सेल के बाद ग्रुप के पास

एशियन पेंट्स के 87 लाख शेयर रहेंगे। शेयरों की यह बिक्री रूटीन पोर्टफोलियो मैनेजमेंट का हिस्सा है। बीएसई पर उपलब्ध डेटा के मुताबिक, 31 मार्च 2025 को खत्म तिमाही में सिद्धांत कमर्शियल्स प्राइवेट लिमिटेड के पास एशियन पेंट्स के 4,69,87,850 शेयर या कंपनी में 4.90 पर्सेंट हिस्सेदारी थी। सिद्धांत कमर्शियल्स के पास अब एशियन पेंट्स के 87 लाख शेयर बचे हैं। फिलहाल, यह पता नहीं लग पाया है कि इस ब्लॉक डील में किसने शेयर खरीदे हैं।

एलआईसी की एशियन पेंट्स में 8.29प्रतिशत हिस्सेदारी

घरेलू म्यूचुअल फंड्स की एशियन पेंट्स में 5.67 पर्सेंट हिस्सेदारी है। आईसीआईसी प्रूडेंशियल की पेंट कंपनी में 1.24 पर्सेंट, एसबीआई म्यूचुअल फंड की 1.51 पर्सेंट हिस्सेदारी है। हिस्सेदारी का यह डेटा 31 मार्च 2025 तिमाही तक का है। देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी की एशियन पेंट्स में 8.29 पर्सेंट हिस्सेदारी है। एलआईसी के पास एशियन पेंट्स के 7,94,75,946 शेयर हैं। अगर छोटे रिटेल शेयरहोल्डर्स की बात करें तो एशियन पेंट्स में उनकी हिस्सेदारी 11.84 पर्सेंट हिस्सेदारी है। एशियन पेंट्स के शेयरों में पिछले एक साल में 23 पर्सेंट से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। वहीं, पिछले पांच साल में कंपनी के शेयर 35 पर्सेंट उछले हैं। एशियन पेंट्स के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 3394 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 2125 रुपये है।

राष्ट्रबाण
सिवनी, शुक्रवार 13 जून 2025

बालाघाट राष्ट्रबाण

● बैहर ● बिरसा ● कटंगी ● तिरोड़ी ● कटंगी ● खैरलांजी ● किरनापुर ● लालबर्रा ● लांजी ● परसवाड़ा ● वारासिवनी

नगर में जल भराव, जर्जर भवन व बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की चिंता करें

ग्रामीण सर्वे में जमीनी स्तर पर स्वच्छता की प्रगति का होगा आंकलन

कलेक्टर श्री मीना ने स्वच्छता सर्वेक्षण-2025 की तैयारियों की समीक्षा की

बालाघाट। राष्ट्रबाण

स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण फेज दो के अंतर्गत चिन्हित मात्रात्मक और गुणात्मक मानकों के आधार पर सभी प्रदेशों एवं जिलों की राष्ट्रीय रैंकिंग प्रदान की जाएगी। इसमें पेयजल व स्वच्छता के लिए स्वच्छ सर्वेक्षण-2025 होगा। स्वच्छता सर्वेक्षण के सम्बंध में गुरुवार को कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने ग्रामीण व शहरी दोनों निकायों की संयुक्त बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की।

कलेक्टर श्री मीना ने ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वे की तैयारियों के सम्बंध में निर्देश दिए है कि जो भी प्लांट के प्रस्ताव शेष है, जल्द ही तैयारी करें। वहीं बड़ी पंचायतों में सेग्रिगेशन व कचरा संग्रहण को नियमित रखें। इसके अलावा जिन क्षेत्रों में सफाई सम्भव नही हो पाती है, वहां अभियान के तौर पर जुट जाएं। ग्रामो में सार्वजनिक स्थलों पर साफ-सफाई पर भी फोकस किया जाए। उन्होंने नगरीय निकायों को निर्देश दिए है कि अगस्त तक विभाग द्वारा निर्धारित कार्यो पर फोकस होकर कैलेंडर अनुसार कार्य करें। खास तौर पर नगर के उन क्षेत्रों को चिन्हित कर कार्य करें, जहां जल भराव होता है और यातायात बाधित भी होता है, जर्जर भवनों को लेकर तैयारी कर लेंवे। इसके अलावा बाढ़ प्रभावित वाले क्षेत्रों के सम्बंध में तैयारी कर ले।

परिवारों की संख्या के आधार पर सार्वजनिक स्थलों, मल-जल प्रबंधन पर होगा फोकस

राज्य स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण इकाई द्वारा सर्वेक्षण सभी 52 जिलों में होगा। सभी ग्रामो का जनसंख्या के आधार पर पर न्यूनतम 20 गांवो का चयन होगा। गांव के 14 परिवारों में 3-3 एससी व एसटी, 8 अन्य परिवार के अलावा 2 ऐसे परिवार जो आईएमआईएस में पंजीकृत नही किये गए उनका भी चयन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त चयनित गांवो में न्यूनतम 5 सार्वजनिक स्थलों, निर्मित प्लास्टिक अपशिस्ट प्रबंधन इकाईयों, गोबरधन संयंत्र, मल-जल प्रबंधन संयंत्र एवं स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग स्थल शामिल होंगे। जिलों की रैंकिंग का निर्धारण 1000 अंकों में से प्राप्त अंकों के आधार पर होगी। सिटीजन फीडबैक के 100, सर्विस लेवल प्रगति 240, प्रत्यक्ष अवलोकन के 540 और संयंत्रों का निरीक्षण 120 अंक निर्धारित किये गए है। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक सराफ, सहायक कलेक्टर श्री आकाश अग्रवाल, प्रभारी डूडा श्री राहुल नायक, सीएमओ श्री बीडी कतरोलिया व अन्य निकायों के सीएमओ तथा सीईओ गूगल मीट से जुड़े।

शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की दुकानों के निविदाएं आमंत्रित

बालाघाट। जनपद पंचायत बालाघाट द्वारा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की दुकानों के लिए निविदा आमंत्रित की गई है। दुकान क्रमांक 02 और 03 के लिए ऑनलाइन आवेदन की समयावधि बढ़ा दी गई है, अब 10 जून से 24 जून 25 तक है। इन दुकानों का क्षेत्रफल 8×11 वर्गफीट है और सरकारी बोली/न्यूनतम बोली 751000 रुपये है। अमानत राशि 50000 रुपये और निविदा प्रपत्र मूल्य 2000 रुपये है। ये दुकानें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। निविदा प्रपत्र की खरीदी ऑनलाइन वेबसाइट http://mptender.gov.in पर की जा सकती है। निविदा दिनांक 10 जून शाम 5:30 बजे तक पोर्टल पर उपलब्ध होगी। निविदा ऑनलाइन जमा करने का दिनांक 10 जून शाम 5:30 बजे से दिनांक 24 जून 25 शाम 5:30 बजे तक है। निविदा फार्म खोलने का दिनांक 25 जून 2025 दोपहर 12 बजे से है। प्रत्येक निविदाकार शासन द्वारा जारी केन्द्रीय पंजीकृत प्रणाली के पोर्टल की वेबसाइट http://mptender.gov.in में पंजीकृत होना अनिवार्य है। निविदा में संशोधन केवल वेबसाइट पर देख सकते हैं। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए जनपद पंचायत बालाघाट में कार्यालयीन दिवस एवं समय पर देखी जा सकती है।

अवैध शराब पर आबकारी विभाग की कार्यवाही

डिब्बों में भरा 225 किलो लाहन किया जब्त

बालाघाट। राष्ट्रबाण

कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी सुरेन्द्र कुमार उरांव के मार्गदर्शन मे मदिरा का अवैध रुप से निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय कर रहे लोगों के विरुद्ध निरंतर कार्यवाही की जा रहीं है। आबकारी विभाग से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि गुरुवार को आबकारी वृत वारासिवनी के द्वारा ग्राम खमरिया के गारापुरी में अलग-अलग स्थानों से प्लास्टिक के डिब्बों में भरा हुआ लगभग 225 किलोग्राम महुआ लाहन जप्त कर 01 प्रकरण मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1) के तहत पंजीबद्ध कर विवेचना में लिए गया। वहीं सेम्पल लेकर शेष लाहन मौके पर नष्ट किया गया। जप्त सामग्री का बाजार मूल्य 22500 रूपये बताया गया है। इस कार्यवाही मे वृत प्रभारी संदीप श्रीवास, आरक्षक नरसिंह टेकाम, भानु प्रताप एवम अनिता कुमरे उपस्थित रहे।

1 साल से कर्तव्य पद से नदारद पटवारी

कई बार नोटिस जारी करने के बाद एसडीएम ने जारी की सार्वजनिक सूचना

बालाघाट। राष्ट्रबाण

बैहर एसडीएम अर्पित गुप्ता ने बिरसा तहसील के पटवारी कुलदीप मेरावी को कार्य पर उपस्थित न होने पर सार्वजनिक सुचना जारी की है। उन्होंने बताया कि श्री कुलदीप मेरावी पटवारी तहसील बिरसा 13 सितंबर 2024 से बिना पूर्व सूचना अथवा स्वीकृत अवकाश के अनुपस्थित हैं। उन्हें पूर्व में कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन उन्होंने न तो जवाब प्रस्तुत किया और न ही कार्य पर उपस्थित हुए। अब उन्हें सार्वजनिक सूचना के माध्यम से निर्देशित किया जाता है कि वे इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के भीतर कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बैहर में उपस्थिति देना सुनिश्चित करें। यदि वे निर्धारित समयावधि में कार्य पर उपस्थित नहीं होते है तो नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी और उन्हें सेवा से पृथक किए जाने की कार्यवाही की जा सकती है।

पीएम जनमन एवं धरती आबा के शत प्रतिशत सेचुरेशन के लिए प्रशासन की सक्रियता

बालाघाट। जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय न्याय अभियान (पीएम जनमन) एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत 15 से 30 जून तक जागरूकता एवं लाभ संतृप्ति शिविर आयोजित किया जाना है। जनजातीय कार्य विभाग से प्राप्त प्रेस नोट में बताया गया कि जिले में पीएम जनमन के तहत चिन्हित 260 बैगा बसाहटों / ग्रामों में तथा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीए-जेजीयूए) अंतर्गत चिन्हित 200 ग्राम एवं जिले के द्वारा सर्वे पश्चात चयनित 48 ग्रामों में जनजागरूकता एवं लाभ संतृप्ति शिविर का आयोजन 15 जून से प्रारंभ किया जा रहा है। जिले में अभियान अंतर्गत ग्रामों में विशेष शिविर आयोजित कराकर प्रशासनिक अमले के द्वारा हितग्राही मूलक योजनाएं यथा आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, पी.एम. किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, उज्जवला योजना, राशन कार्ड, जनधन बैंक खातों से लाभांवित किया जायेगा।

मप्र नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार दो दिन के बालाघाट प्रवास पर

बालाघाट। मप्र नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार 13 एवं 14 जून दो दिन के बालाघाट प्रवास पर होंगे। उनके निर्धारित कार्यक्रम अनुसार वे शुक्रवार सुबह 5 बजे जिला धार से इंदौर के लिए प्रस्थान करेंगे। सुबह 6 बजे इंदौर एयरपोर्ट आगमन के बाद वे बाय प्लेन नागपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। सुबह 8:05 बजे नागपुर आगमन के पश्चात करीब 9 बजे बाय रोड भंडारा तुमसर होते हुए करीब 11:30 बजे नेता प्रतिपक्ष श्री सिंघार बालाघाट जिले की तहसील कटंगी पहुँच जनसामान्य से भेंट सुनिश्चित करेंगे। इसके पश्चात वारासिवनी में जनसामान्य से भेंट कर करीब 2:30 बजे बालाघाट के सर्किट हाउस पहुंचेंगे।

अटल पेंशन योजना का लक्ष्य हासिल करने में बालाघाट देश में द्वितीय

प्रशासन की प्लानिंग रंग लायी, जरूरत के समय मिलेगी राशि

बालाघाट। राष्ट्रबाण

राष्ट्रीय पेंशन स्कीम में शामिल अटल पेंशन योजना में लक्ष्य से अधिक पात्र नागरिकों को योजना में पंजीयन करने के मामलें में बालाघाट ने बड़ा नाम हुआ है। पूरे देश में बालाघाट द्वितीय स्थान पर है। इस वित्तीय वर्ष में पूरे देश के जिलों के लिए पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण द्वारा लक्ष्य निर्धारित किया गया था।

इस लक्ष्य को बालाघाट ने शत प्रतिशत नहीं बल्कि दो गुना अधिक प्राप्त किया है। लीड बैंक मैनेजर श्री संजीव कुमार ने बताया कि 1 मई से 15 जुलाई तक कि स्थिति के लिए वित्तीय वर्ष का लक्ष्य निर्धारित रहता है। जो सभी जिलों के लिए निर्धारित होता है। बालाघाट में कलेक्टर मृणाल मीना ने निर्देशन में अप्रैल में ही राष्ट्रीय बीमा योजनाओं में अभियान के रूप में लिया गया। बालाघाट को 2992 का लक्ष्य दिया गया था। हमने निर्धारित लक्ष्य से दो गुना से अधिक यानी 6141 बैंक खातें पंजीयन किये है। यह 205 प्रतिशत है। नियामक ने टॉप टेन जिलों की सूची जारी की है। सूची के अनुसार मप्र में बालाघाट ने लक्ष्य हासिल कर प्रथम पायदान पर है। के उज्जैन जैसे जिले से बालाघाट आगे निकला है।

इस उपलब्धि में तीन विभागों की अहम भूमिका

जिले में अप्रैल माह से ही राष्ट्रीय बीमा योजनाओं में पात्र नागरिकों का पंजीयन कराने का बड़ा काम हाथ मे लिया था। इस काम को मुख्य रूप से महिला बाल विकास विभाग के अलावा वित्त (बैंक), पंचायत विभाग की बड़ी जिम्मेदारी निभाई है। इसके लिए प्रत्येक सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को पंचायत स्तर पर विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

यह भी जानें क्या है ? अटल पेंशन योजना

अटल पेंशन योजना पूरे देश में खाताधारकों के बैंक खातें से ही जुड़ती है। इसमें सिर्फ बैंक को राजीनामा देना होता है। इस राजीनामा से आपके खाते से ही उम्र के हिसाब से न्यूनतम मासिक क़िस्त कांटी जाती है। इसके पश्चात 60 वर्ष की आयु के बाद निश्चित रूप से उसी बैंक खातें में मासिक राशि प्राप्त होगी। यह मासिक राशि 1000 से 5000 रूपये तक मासिक पेंशन प्राप्त हो सकती है।

अवैध उत्खनन एवं परिवहन करते 11 ट्रैक्टर किये जब्त

अवैध उत्खनन पर राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त कार्यवाही

बालाघाट। राष्ट्रबाण

कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा जिले में सभी अनुविभागीय अधिकारियों को अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर दंडात्मक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया है। इसी के परिपालन में वारासिवनी एसडीएम श्री राजीव रंजन पांडे के मार्गदर्शन में गुरुवार को राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए लालबर्रा तहसील के ग्राम धपेरा वैनगंगा में अवैध उत्खनन एवं परिवहन करते 11 ट्रैक्टर जप्त किये गए। साथ ही जिले के आम नागरिकों से अपील की गई है कि अवैध उत्खनन की सूचना तुरंत पुलिस को देना सुनिश्चित करें। सम्पूर्ण कार्यवाही के दौरान राजस्व एवं पुलिस विभाग का अमला मौजूद रहा।

विकसित कृषि संकल्प अभियान जट्टा और कोपे में 70 मछली पालकों के बनाये केसीसी कार्ड

31 सदस्यों को 3.10 लाख के ऋण स्वीकृति प्रदान की

बालाघाट। राष्ट्रबाण

विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में किसानों को तकनीकी सलाह के साथ ही योजनाओं से भी जोड़ा जा रहा है। इस अभियान में जर जनपद की दो-दो पंचायतों में शिविर/कार्यशालाएं आयोजित की जा रहीं है। जिला मत्स्य अधिकारी श्रीमती पूजा रोडगे ने बताया कि अभियान में शिविरों के माध्यम से मछुआ कल्याण समितियों के केसीसी कार्ड बनाने के साथ ही समितियो के सदस्यों को केसीसी का लाभ भी दिया जा रहा है। गुरुवार को अभियान के दौरान ही बैहर जनपद की जट्टा पंचायत की मछुआ सहकारी समिति के 31 सदस्यों को केसीसी कार्ड के तहत 3.10 लाख रुपये के ऋण स्वीकृति पत्र प्रदान किये गए है। इसी तरह जट्टा में 31 व लालबर्रा जनपद के कोपे में 39 केसीसी कार्ड बनाये गए है। जट्टा की मछुआ समिति के गेंदालाल, बृजलाल, दिलीप, चन्दनवार, राजेन्द्र, शिवलाल व अशोक सहित 31 सदस्यों को स्वीकृति पत्र प्रदान कर दिए गए है।

गरीबी उन्मूलन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं मोटरयान अधिनियम से ग्रामीणों को कराया गया अवगत

विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

बालाघाट। राष्ट्रबाण

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन में गुरुवार को ग्राम पंचायत जागपुर (रेंगाटोला) में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उपस्थित श्री जीतेन्द्र मोहन धुर्वे जिला विधिक सहायता अधिकारी द्वारा उपस्थित ग्रामीणजनों को नालसा (नशा पीड़ितो को विधिक सेवाए एवं नशा उन्मूलन के लिए विधिक सेवाएं) योजना 2015, गरीबी उन्मूलन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विधिक सेवाएं योजना 2015, मोटरयान अधिनियम के प्रावधान, विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 के प्रावधानों के बारे में अवगत कराया साथ ही मध्यस्थता योजना एवं भारतीय संविधान में उल्लेखित मूल अधिकार एवं मूल कर्तव्य के संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई। साथ ही श्री धुर्वे ने न्यायालयीन प्रक्रिया एवं साइबर अपराधों से बचाव के बारे मे विस्तार से जानकारी दी। षिविर में पाक्सो अधिनियम एवं घरेलू हिंसा अधिनियम के प्रावधानों के बारे में अवगत कराया गया।

शिविर में ग्राम पंचायत सरपंच एवं सचिव, पैरालीगल वालेटियर श्रीमती नन्दिनी बारेकर, जिला प्राधिकरण के कर्मचारी श्री धनेन्द्र उपराड़े, विधि छात्रा सुश्री फाल्गुनी बाहे, श्री उत्कर्ष राहंगडाले एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

राष्ट्रबाण
सिवनी, शुक्रवार 13 जून 2025

सिवनी-बैतूल राष्ट्रबाण

• बरघाट • छपारा • धनोरा • घंसौर • केवलारी • कुरई • लखनादौन • सिवनी ग्रामीण • मुलताई • बैतूल बाजार • आमला • भैंसादंड • सारणी • बोरदई • आठनेर

प्रशासनिक सर्जरी से नहीं बच पाए विवादित प्रभारी तहसीलदार

डॉ. संजय बरैया की कार्य प्रणाली को लेकर हमेशा उठते है सवाल

सिवनी। राष्ट्रबाण

जहां कुछ अधिकारी अपनी शक्तियों का दुरुपयोग करते हुए आम जनता की परेशानियों को बढ़ा रहे हैं। इससे न केवल विभाग की छवि धूमिल होती है। ऐसा ही मामला लखनादौन तहसील के प्रभारी तहसीलदार जो हमेशा विवादित कार्य प्रणाली के आरोप से जाने जाते है। जिनके चलते सरकारी कामों को करवाने के नाम पर दलालों से सहयोग लेते रहे हैं।

यह मामला तब जोरो से उछला जब संजय बरैया की पदस्थापना बरघाट प्रभारी तहसीलदार के रूप में थी। इनकी विवादित कार्य प्रणाली और भ्रष्टाचार की चर्चा बरघाट में ही नहीं पूरे जिला मुख्यालय में फैली हुई थी। इन्होंने अपनी तहसीलदार पद की शक्तियों का गलत उपयोग करते हुए दलालों के माध्यम से धन लेकर उल्टे सीधे प्रकरण में आदेश किया है। जिला प्रशासन को लगातार शिकायत मिल रही थी तब बरघाट से लखनादौन स्थानांतरण कर दिया था। लेकिन जैसे ही इनकी कार्यप्रणाली के चर्चे राजस्व विभाग वल्लभ भवन भोपाल तक पहुंचने लगे तब स्थानांतरण वक्त के दौरान अवर सचिव राजस्व विभाग द्वारा प्रशासनिक स्तर से संजय बरैया का स्थानांतरण सिवनी लखनादौन से भिंड कर दिया लगभग 720 किलोमीटर दूर स्थानांतरण के आदेश से डॉ. संजय बरैया की रात की नींद उड़ गई है। चेहरे पर परेशानी दिन में नजर आ रही है। सूत्र तो यहां भी बता रहे हैं कि संजय बरैया अपने स्थानांतरण को रुकवाने के लिए अपने रुदवे पैसों का पूर्ण कोशिश कर रहे हैं। वर्तमान में तहसील लखनादौन में देखकर ऐसा लगता है जैसे ईश्वर का न्याय सबके लिए एक समान है, कर्मों का फल इसी जन्म में भोगना पड़ेगा।

संजय बरैया, प्रभारी तहसीलदार।

कर्मचारी भी थे परेशान

जहां-जहां डॉ. संजय बरैया की पदस्थापन रही है वहां-वहां कर्मचारी भी परेशान रहे है, लगातार कर्मचारियों को मानसिक प्रताड़ना देना। साथ ही सरकारी गाड़ी का दुरुपयोग करते थे जब वह बरघाट तहसीलदार के पद में थे तब उनके द्वारा अवकाश के दौरान अपने मूल निवास लालबर्रा जाने के लिए वह सरकारी गाड़ी का इस्तेमाल करते हैं। और गाड़ी की लोक बुक में अपने कार्यक्षेत्र का दौरा दिखा दिया जाता था।

कैसे होता है था खेल?

सूत्रों के अनुसार, तहसीलदार ने अपने विश्वासी कर्मचारी और लोगो को दलाली की खुली मंजूरी दे दिया था। जिसमें तहसीलदार द्वारा दलालो को पूरा सहयोग भी मिल रहा था। दलाल इन अधिकारियों से संपर्क करके फाइलों को जल्दी निपटाने का वादा करते थे और इसके बदले पर मोटी रकम की मांग करते थे। यह भ्रष्टाचार का खेल आम नागरिकों के लिए भारी परेशानी का कारण बनता था। क्योंकि बिना दलालों के माध्यम से अपनी जरूरी सरकारी प्रक्रियाएं पूरी नहीं कर सकते थे। उदाहरण के तौर पर, जमीन का नामांतरण, पारिवारिक सहमति से बटवारा, नक्शे और दूसरे अन्य महत्वपूर्ण कामों के लिए तहसीलदार द्वारा कर्मचारी एवं दलालों के मध्यम से रिश्वत की मांग की जाती थी। कर्मचारी एवं दलालों से पैसे लेने के बाद ही तहसीलदार संबंधित कार्य की कोई कार्यवाही करते थे और प्रकरण को जल्दी निपटाते थे। नहीं तो तारीख पर तारीख देकर कार्यालय के चक्कर लगवाते थे, जो कि आम लोगों के लिए परेशानी बन गई थी।

मानो या ना मानो...

आखिर क्या वजह है जो जाता है जियारत वह परेशान हो जाता है?

सिवनी। राष्ट्रबाण

जी हां..! आपने सही पड़ा जो जाता है, वह परेशान हो जाता है। यह बात गौर करने वाली भी है। जिला मुख्यालय अंतर्गत पटवारी हल्का ज़ियारत सबकी जुबान पर है आखिर क्या वजह है? जो भी पटवारी यहां बेईमानी से अर्जित कमाई करने के उद्देश्य से जाता है। या तो वह बीमारी का शिकार हुआ यह फिर भ्रष्टाचार का शिकार हो जाता है। और इससे सबसे दिलचस्प बात यह भी है कि यहां पर बनी नई कॉलोनी के कॉलोनाइजर भी किसी न किसी पीड़ा से प्रताड़ित हो चुके है। आखिर क्या है इसकी वजह?

इसे कहीं न कहीं यह कुदरत का करिश्मा कहे या अलौकिक शक्ति कोई इशारा तो नहीं, यह विचार की बात है।

आज दिनांक में सिवनी तहसील कार्यालय में ज़ियारत हल्का की चर्चाओं जोरों से हैं। जो भी पटवारी ज़ियारत हल्का गया है वह बीमारी या फिर भ्रष्टाचार का शिकार हो गया है। मानो या ना मानो या, यह बात कुछ हद तक सही भी है। ज़ियारत किसी को रास नहीं आया है तो किसी को उनके कर्मों का हिसाब भी इसका फल मिला है।

कब होगा देवी तालाब अतिक्रमण मुक्त ?

नपा के साठगांठ से बढ़ रहा अतिक्रमण का दायरा

बालाघाट। राष्ट्रबाण

नगर मे स्थित शासकीय देवी तालाब जो कि बालाघाट शहर क़े भूमिगत जल स्त्रोत का मुख्य साधन है और यह तालाब बालाघाट शहर क़े नागरिकों का निस्तार तालाब है। इस तालाब मे बालाघाट क़े नगरवासी द्वारा धार्मिक प्रयोजन मे दुर्गा प्रतिमा विषर्जन, गणेश प्रतिमा विषर्जन, भुजली विषर्जन, ताजिया विषर्जन समेत अन्य धार्मिक प्रयोजन किए जाते है । प्राचीन काल से ही शासकीय देवी तालाब बालाघाट शहर क़े नागरिकों क़े धार्मिक आस्था का केंद्र रहा है । लेकिन आज देवी तालाब लगातार अपने अस्तित्व को खोते जा रहा है । जिसके पीछे बालाघाट के भू-माफियाओ की कारगुजारी शामिल है।

बालाघाट शहर क़े भू माफियाओ द्वारा नगर पालिका परिषद बालाघाट क़े साथ मिलकर देवी तालाब क़े अस्तित्व को समाप्त करने का षड़यंत्र किया जा रहा है । इस षड्यंत्र क़े तहत नगर पालिका परिषद द्वारा नगर क़ी नालियों मे बहने वाले दूषित मलजल युक्त प्रदूषित पानी को छोटी छोटी नालियों एवं बड़े नालो क़े माध्यम से सीधे देवी तालाब मे छोड़ा जा रहा है । जिससे देवी तालाब लगातार प्रदूषित हो रहा है और नगर पालिका द्वारा वार्डो से जमा किए गए कचरे को देवी तालाब मे डालकर तालाब को भरने का कार्य किया जा रहा है ।

शासकीय देवी तालाब मे नगर पालिका परिषद द्वारा किए जा रहें प्रदुषण को रोकने एवं तालाब क़ी साफ सफाई किए जाने को लेकर बालाघाट शहर निवासी द्वारका नाथ चौधरी एवं अन्य जागरूक नागरिकों क़े द्वारा जनसुनवाई क़े माध्यम से ज़िला प्रशासन का ध्यान इस ओर आकर्षित कराया गया।

एक साल में 26 बच्चों को बालश्रम से दिलाई आज़ादी

विश्व बालश्रम निषेध दिवस पर 100 बच्चों को मजदूरी से छुड़ाया, जिले में चलाया बड़ा अभियान

बालश्रम के खिलाफ दुकानदारों को दी गई सख्त चेतावनी

जस्ट राइट नेटवर्क और प्रदीपन की बड़ी भूमिका

बैतूल। राष्ट्रबाण

जिले को बालश्रम मुक्त बनाने के लिए एक संगठित और प्रभावशाली अभियान की शुरुआत हो चुकी है। विश्व बालश्रम निषेध दिवस के अवसर पर जिले में बाल अधिकारों की सुरक्षा और संरक्षण को लेकर सक्रिय नागरिक संगठन प्रदीपन ने श्रम विभाग, पुलिस विभाग और टास्क फोर्स के साथ मिलकर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। जिले के विभिन्न हिस्सों में छापेमारी कर 100 बालश्रमिक बच्चों को बाल मजदूरी से मुक्त कराया गया।

इस मौके पर प्रदीपन संस्था की डायरेक्टर रेखा गुजरे ने बताया कि पिछले एक वर्ष में जिला प्रशासन के सहयोग से बालश्रम के खिलाफ अभियान चलाकर 26 बच्चों को रेस्क्यू किया गया है। आज की कार्रवाई में भी अनेक होटलों, ढाबों, मोटर गैराज, ईंटभट्टों और दुकानों पर छापा मारा गया। दुकानदारों को चेतावनी दी गई कि यदि वे 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से मजदूरी कराते पाए गए तो बालश्रम प्रतिषेध अधिनियम के तहत उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दुकानों पर स्पष्ट रूप से बोर्ड लगाने के निर्देश

जिला मुख्यालय पर भी गुरुवार को बालश्रम उन्मूलन अभियान संचालित किया गया। दुकानदारों को निर्देश दिए गए कि वे अपनी दुकानों पर स्पष्ट रूप से यह बोर्ड लगाएं कि 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को कार्य पर नहीं रखा जाता। टास्क फोर्स टीम ने यह सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण किया और समझाइश भी दी। प्रदीपन संस्था देश के सबसे बड़े नागरिक समाज नेटवर्क जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन (जेआरसी) की सहयोगी है। यह नेटवर्क देश के 418 जिलों में सक्रिय है और बाल मजदूरी, बाल विवाह, बाल शोषण व तस्करी के खिलाफ ज़मीन पर काम कर रहा है। जेआरसी के सहयोग से पिछले दो वर्षों में 85 हजार से अधिक बच्चों को बाल मजदूरी से मुक्त कराया गया है और 54 हजार से ज्यादा मामलों में कानूनी कार्रवाई की गई है।

बैतूल जिले में अब तक 32 बच्चों को बाल मजदूरी से छुड़ाया: रेखा गुजरे ने कहा कि भारत ने इस दिशा में अन्य देशों के मुकाबले बेहतर कार्य किया है और इसका श्रेय राज्य सरकार और जिला प्रशासन की सतर्कता और संवेदनशीलता को जाता है। उन्होंने जानकारी दी कि अब तक बैतूल जिले में 32 बच्चों को बाल मजदूरी से छुड़ाया गया है और उनके पुनर्वास की दिशा में लगातार कार्य जारी है।

उन्होंने यह भी कहा कि बाल मजदूरी पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए पुख्ता नीतियां बनानी होंगी जैसे कि सरकारी खरीद में बालश्रम का इस्तेमाल पूरी तरह वर्जित किया जाए, 18 वर्ष तक की उम्र के बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा सुनिश्चित की जाए, बाल मजदूर पुनर्वास कोष की स्थापना की जाए और खतरनाक उद्योगों की सूची में विस्तार किया जाए।

अभियान में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका

ऊर्जा स्ट्राइक फॉर चिल्ड्रन के राष्ट्रीय संयोजक रविकांत ने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के कन्वेंशन 182 का हस्ताक्षरकर्ता देश है और उसने खतरनाक बाल श्रम को समाप्त करने की प्रतिबद्धता ली है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए यह ज़रूरी है कि बालश्रम मुक्त आपूर्ति श्रृंखला, कौशल विकास और शिक्षा को प्राथमिकता दी जाए। इस अभियान की सफलता में प्रदीपन के कोऑर्डिनेटर सुनील कुमार, सोशल वर्कर पुनम अतुलकर, चारूलता वर्मा, अलका नागले, ज्योति बागवे, विशाल आर्य, रवि चवारे और राकेश मन्नासे का अहम योगदान रहा। बैतूल जल्द ही बालश्रम मुक्त जिले के रूप में स्थापित हो, इसके लिए नागरिक संगठन और जिला प्रशासन मिलकर सशक्त प्रयास कर रहे हैं।

गेहूंबारसा में तेज तूफान से टीन और खपरे उड़े

कई घरों में नुकसान, एक महिला घायल

बैतूल। राष्ट्रबाण

विकासखंड प्रभात पट्टन की ग्राम पंचायत गेहूं बारसा में विगत शाम तेज हवा और आंधी-बारिश ने जमकर कहर बरपाया। इस तूफान में कई ग्रामीणों के घरों की टीन उड़ गई और खपरे टूट गए। कुछ घरों में बारिश का पानी घुस गया, जिससे घर का अनाज और जरूरी सामान पूरी तरह गीला हो गया।

इस घटना में रामकिशोर अनघोरे की पत्नी सुनीति अनघोरे के सिर में गंभीर चोट आई, जिन्हें टांके लगाने पड़े। ग्रामीणों की इस परेशानी की जानकारी मिलते ही जिला पंचायत सदस्य उर्मिला गव्हाडे पीड़ित परिवारों के बीच पहुंचीं और हर एक घर जाकर नुकसान का जायजा लिया।उन्होंने तुरंत एसडीएम मुलताई अनिता पटेल से मोबाइल पर चर्चा कर स्थिति से अवगत कराया और सभी पीड़ितों के नुकसान के आंकलन के लिए मौके पर तहसीलदार को भेजने की मांग की।

उर्मिला गव्हाडे ने कहा कि जिन परिवारों को नुकसान हुआ है, उन्हें सरकार की तरफ से उचित सहायता राशि दिलवाई जाएगी। इस दौरान उन्होंने रामकिशोर अनघोरे, संजय कावनपुरे, बंदरू सूर्यवंशी, पिंटू पडोले, सुरेश पाटिल, बाला सूर्यवंशी, मधु मालेवार, रमेश साहू, रामलाल सोनारे, संतोष डोगरपुरे, राजा कावनपुरे, कलावती इवने, गनेशी साहू सभी पीड़ित ग्रामीणों से मुलाकात की। और उनकी परेशानियों को सुना। इस दौरान उनके साथ रमेश गव्हाडे और लक्ष्मण कावनपुरे भी मौजूद रहे।

सुभाष वार्ड में पार्षद किरण खातरकर ने महिलाओं के साथ उठाई झाड़ू

विधायक की प्रेरणा से शुरू हुआ स्वच्छता अभियान

बैतूल। राष्ट्रबाण

सुभाष वार्ड क्रमांक 1 में स्वच्छता को लेकर एक सकारात्मक पहल की शुरुआत हुई है। वार्ड की पार्षद किरण खातरकर ने विधायक हेमंत खंडेलवाल की प्रेरणा से स्वच्छता अभियान की कमान संभालते हुए वार्डवासियों के साथ मिलकर सफाई अभियान चलाया। वार्ड के पीपल चौराहे पर फैली गंदगी को देखते हुए पार्षद के नेतृत्व में वार्ड की महिलाओं ने खुद झाड़ू उठाकर सफाई की और पूरे क्षेत्र में स्वच्छता का संदेश दिया।

इस स्वच्छता अभियान में बड़ी संख्या में महिलाएं और वार्डवासी शामिल हुए। अभियान के दौरान पार्षद किरण खातरकर ने बताया कि विधायक हेमंत खंडेलवाल की प्रेरणा से वार्ड में साप्ताहिक स्वच्छता अभियान की शुरुआत की गई है, जो निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि अभियान के माध्यम से वार्ड के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच बनाकर उनकी समस्याओं को भी समझा जाएगा। साथ ही वार्ड में अगर कोई अवैध गतिविधियां संचालित हो रही हैं, तो उन पर अंकुश लगाने का भी प्रयास किया जाएगा।

पार्षद खातरकर ने यह भी बताया कि विधायक खंडेलवाल के सहयोग से वार्ड का समग्र विकास लगातार जारी है और यह प्रयास आगे भी चलता रहेगा ताकि सुभाष वार्ड को नगर में स्वच्छता और विकास के क्षेत्र में नंबर एक स्थान प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि वार्डवासियों, विशेषकर महिलाओं में भाजपा के कार्यकाल में चल रहे विकास कार्यों को लेकर उत्साह है और अब स्वच्छता को लेकर भी सभी पूर्ण रूप से तैयार हैं।

स्वच्छता अभियान में वार्ड की प्रमुख महिलाएं निशा मेहरा, कविता बरसाकर, मुन्नी यादव, जमना महाजन, चंदा मोहबे, उर्मिला मवासे, लता परिहार, रेवती बिनझाडे, जमना चतुरकर शामिल रहीं। इनके साथ ही विनोद यादव, देवीनाथ लोखंडे, लक्ष्मीनारायण खातरकर, विशाल भौरासे, सफाई कर्मी गोविंद सांडे, पिंकी जावलकर, किशोर उईके, पवन वाडिवा, गुड्डी यादव, सुनील पाल और गोलू चिंचलकर समेत बड़ी संख्या में वार्डवासी मौजूद रहे।

पिता के निधन के चार महीने बाद भी नहीं मिली सहायता, कलेक्टर से लगाई अर्जी

बैतूल। राष्ट्रबाण

तहसील शाहपुर के ग्राम कछार जोडियामऊ निवासी रमेश पिता जगलु लोखडे ने कलेक्टर को आवेदन देकर अपने पिता की मृत्यु के बाद मिलने वाली सहायता राशि दिलवाने की मांग की है। रमेश ने अपने शिकायती आवेदन में बताया कि उनके पिता जगलु लोखडे की अचानक मृत्यु 8 फरवरी 2025 को हो गई थी। लेकिन अब तक शासन से मिलने वाली 5000 रुपये की सहायता राशि नहीं मिली है। रमेश ने कहा कि उनके परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर है और इस सहायता राशि से कुछ राहत मिल सकती है। उन्होंने जिला प्रशासन से आग्रह किया है कि उनके पिता की मृत्यु के बाद मिलने वाली निर्धारित सहायता राशि उन्हें जल्द से जल्द दिलवाई जाए, ताकि वे परिवार की आवश्यक जरूरतों को पूरा कर सकें।रमेश का कहना है कि उन्होंने सभी आवश्यक दस्तावेज भी जमा कर दिए हैं, इसके बावजूद उन्हें अब तक कोई आर्थिक सहायता नहीं मिली है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जिला प्रशासन उनकी बात को गंभीरता से लेकर जल्द राहत प्रदान करेगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433